

वेलनेस सिटी में शिष्ट होगी अमीनाबाद की मेडिसिन मार्केट

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सुलतानपुर रोड पर प्रस्तावित वेलनेस सिटी में अमीनाबाद की सबसे बड़ी मेडिसिन मार्केट भी शिष्ट होगी।

यहां चिकित्सीय मामलों से जुड़ा एक छोटा शहर होगा, जहां वामियों के निदान से लेकर इलाज तक मिलेगा। सभी बड़ी के मामलों के गोदाम



आदि के लिए छोड़ा जा रहा है। कई चिकित्सा जगत की प्रतिष्ठित संस्थाएं यहां मेडिकल कॉलेज बनाएंगी। एलडीए की एक अन्य अधिकारी ने

मलूकपुर, दुलारमऊ एवं नूरुर बेहटा की कोरिक 1474 एकड़ जमीन पर वेलनेस सिटी बनाएंगी। इसे मेडिसिनी की तरह संस्कृत किया जाएगा। इस योजना में सुपर संस्कृती अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर एवं नूरुर बेहटा की तरह संस्कृत किया जाएगा। इसे रोज 600 से ज्यादा एसी बसों से कराव 12 से पंद्रह हजार यात्रियों को राह मिलेगा। रोडवेज बस में आनलाइन सीट बुकिंग कराने वाले यात्रियों के सक्ति। इसका भी वेलनेस सिटी योजना में ध्यान रखा गया है। वहां 24 से 60 मीटर चौड़ी सड़कें होंगी। पर्वाचल बुकिंग का मैसेज आता था। अब यात्रियों के लिए राहत की खबर है। अभी तक यात्रियों के मोबाइल नंबर पर सीट बुकिंग का घोषणा के बाबत एक डिटर्मान नंबर पर एसी बस का नंबर जैव और अंडराइट गोल्ड वेलनेस सिटी में होंगी। सुलतानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वेलनेस सिटी में 110 एकड़ सिफ मेडिकल कॉलेज और संस्थानों

● दवाबाजार में होगी 24 से 60 मीटर चौड़ी सड़क

और आउटलेट यहां होंगे। कई मेडिकल कॉलेज और चिकित्सा संस्थान भी चंद किमी के दौरान बढ़ी होंगी। एलडीए की इस योजना को कमिशनर रोशन जैव ने प्राप्त भक्ति मंजूरी दी दी है। अब बांड बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। वेलनेस सिटी में 110 एकड़ सिफ मेडिकल कॉलेज और संस्थानों

मेट्रो

एसी टिक्कट बुक कराने पर मैसेज में आयेगा बस नंबर

लखनऊ। एसी बसों में आनलाइन सीट बुक कराने वाले यात्रियों के मोबाइल नंबर पर बस रवाना होने के दो घटे पहले मैसेज आएगा। यात्री के मोबाइल फोन के मैसेज बाक्स में बस ट्रेणी, ड्राइवर और ट्रॉफेर फोन नंबर, बस नंबर, हेलपल्खंड नंबर एवं रोजाना 18001802877 भेजा जाएगा। इससे रोज 600 से ज्यादा एसी बसों से कराव 12 से पंद्रह हजार यात्रियों को राह मिलेगा। रोडवेज बस में आनलाइन सीट बुकिंग कराने वाले यात्रियों के सक्ति। इसका भी वेलनेस सिटी योजना में ध्यान रखा गया है। वहां 24 से 60 मीटर चौड़ी सड़कें होंगी। पर्वाचल बुकिंग का मैसेज आता था। अब यात्रियों के लिए राहत की खबर है। अभी तक यात्रियों के मोबाइल नंबर पर सीट बुकिंग का घोषणा के बाबत एक डिटर्मान नंबर पर एसी बस का नंबर जैव और अंडराइट गोल्ड वेलनेस सिटी में होंगी। योजना में सप्त तक यात्रियों के नाम से सात सेक्टर बनाए जाएंगे। वहां 112 वर्गमीटर से 450 वर्गमीटर के कुल 2935 वर्गमीटर भूखण्ड के साथ ही गूप्त हाऊसिंग, व्यावसायिक उपयोग के बड़े भूखण्ड होंगे।

बताया कि वेलनेस सिटी में एसी बसों का प्रयास भी होगा। टेंडर खुलेगा तो सामने आएगा कि कितनी संस्थाएं यहां आने की हैं। सुलतानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वेलनेस सेक्टर बनाएगा। योजना को कमिशनर रोशन जैव ने प्राप्त भक्ति मंजूरी दी दी है। अब बांड बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। वेलनेस सिटी में 110 एकड़ सिफ मेडिकल कॉलेज और संस्थानों

आवास विकास परिषद के अमियंताओं का तबादला

विशेष संवाददाता (vol)

लाल को निर्माण खंड अयोध्या 1 से निर्माण खंड कानपुर 2 में अधिशासी अभियंता के रिक पदों पर तबादले किए गए हैं। कई जोन के अधिकारी अधिशासी अभियंता का तबादले गए हैं। सहायक और अंदर अधिशासी अभियंता के तबादले हुए हैं। आवास आयुक्त ने शायद तबादला आदेश यारी कर दिया गया है।

सहायक अभियंता का आवास आयुक्त के निर्माण खंड कुमार को अधिकारी अभियंता का यात्रालय अयोध्या भेजा गया है। अमन त्यारी अधिशासी अभियंता निर्माण खंड गजियाबाद 2 को निर्माण खंड अयोध्या 1, अधिकारी

लाल को निर्माण खंड अयोध्या 2 को निर्माण खंड गुरुद्वारा अयोध्या 1 को निर्माण खंड अयोध्या 3 को निर्माण खंड अयोध्या 4 को निर्माण खंड अयोध्या 5 को निर्माण खंड अयोध्या 6 को निर्माण खंड अयोध्या 7 को निर्माण खंड अयोध्या 8 को निर्माण खंड अयोध्या 9 को निर्माण खंड अयोध्या 10 को निर्माण खंड अयोध्या 11 को निर्माण खंड अयोध्या 12 को निर्माण खंड अयोध्या 13 को निर्माण खंड अयोध्या 14 को निर्माण खंड अयोध्या 15 को निर्माण खंड अयोध्या 16 को निर्माण खंड अयोध्या 17 को निर्माण खंड अयोध्या 18 को निर्माण खंड अयोध्या 19 को निर्माण खंड अयोध्या 20 को निर्माण खंड अयोध्या 21 को निर्माण खंड अयोध्या 22 को निर्माण खंड अयोध्या 23 को निर्माण खंड अयोध्या 24 को निर्माण खंड अयोध्या 25 को निर्माण खंड अयोध्या 26 को निर्माण खंड अयोध्या 27 को निर्माण खंड अयोध्या 28 को निर्माण खंड अयोध्या 29 को निर्माण खंड अयोध्या 30 को निर्माण खंड अयोध्या 31 को निर्माण खंड अयोध्या 32 को निर्माण खंड अयोध्या 33 को निर्माण खंड अयोध्या 34 को निर्माण खंड अयोध्या 35 को निर्माण खंड अयोध्या 36 को निर्माण खंड अयोध्या 37 को निर्माण खंड अयोध्या 38 को निर्माण खंड अयोध्या 39 को निर्माण खंड अयोध्या 40 को निर्माण खंड अयोध्या 41 को निर्माण खंड अयोध्या 42 को निर्माण खंड अयोध्या 43 को निर्माण खंड अयोध्या 44 को निर्माण खंड अयोध्या 45 को निर्माण खंड अयोध्या 46 को निर्माण खंड अयोध्या 47 को निर्माण खंड अयोध्या 48 को निर्माण खंड अयोध्या 49 को निर्माण खंड अयोध्या 50 को निर्माण खंड अयोध्या 51 को निर्माण खंड अयोध्या 52 को निर्माण खंड अयोध्या 53 को निर्माण खंड अयोध्या 54 को निर्माण खंड अयोध्या 55 को निर्माण खंड अयोध्या 56 को निर्माण खंड अयोध्या 57 को निर्माण खंड अयोध्या 58 को निर्माण खंड अयोध्या 59 को निर्माण खंड अयोध्या 60 को निर्माण खंड अयोध्या 61 को निर्माण खंड अयोध्या 62 को निर्माण खंड अयोध्या 63 को निर्माण खंड अयोध्या 64 को निर्माण खंड अयोध्या 65 को निर्माण खंड अयोध्या 66 को निर्माण खंड अयोध्या 67 को निर्माण खंड अयोध्या 68 को निर्माण खंड अयोध्या 69 को निर्माण खंड अयोध्या 70 को निर्माण खंड अयोध्या 71 को निर्माण खंड अयोध्या 72 को निर्माण खंड अयोध्या 73 को निर्माण खंड अयोध्या 74 को निर्माण खंड अयोध्या 75 को निर्माण खंड अयोध्या 76 को निर्माण खंड अयोध्या 77 को निर्माण खंड अयोध्या 78 को निर्माण खंड अयोध्या 79 को निर्माण खंड अयोध्या 80 को निर्माण खंड अयोध्या 81 को निर्माण खंड अयोध्या 82 को निर्माण खंड अयोध्या 83 को निर्माण खंड अयोध्या 84 को निर्माण खंड अयोध्या 85 को निर्माण खंड अयोध्या 86 को निर्माण खंड अयोध्या 87 को निर्माण खंड अयोध्या 88 को निर्माण खंड अयोध्या 89 को निर्माण खंड अयोध्या 90 को निर्माण खंड अयोध्या 91 को निर्माण खंड अयोध्या 92 को निर्माण खंड अयोध्या 93 को निर्माण खंड अयोध्या 94 को निर्माण खंड अयोध्या 95 को निर्माण खंड अयोध्या 96 को निर्माण खंड अयोध्या 97 को निर्माण खंड अयोध्या 98 को निर्माण खंड अयोध्या 99 को निर्माण खंड अयोध्या 100 को निर्माण खंड अयोध्या 101 को निर्माण खंड अयोध्या 102 को निर्माण खंड अयोध्या 103 को निर्माण खंड अयोध्या 104 को निर्माण खंड अयोध्या 105 को निर्माण खंड अयोध्या 106 को निर्माण खंड अयोध्या 107 को निर्माण खंड अयोध्या 108 को निर्माण खंड अयोध्या 109 को निर्माण खंड अयोध्या 110 को निर्माण खंड अयोध्या 111 को निर्माण खंड अयोध्या 112 को निर्माण खंड अयोध्या 113 को निर्माण खंड अयोध्या 114 को निर्माण खंड अयोध्या 115 को निर्माण खंड अयोध्या 116 को निर्माण खंड अयोध्या 117 को निर्माण खंड अयोध्या 118 को निर्माण खंड अयोध्या 119 को निर्माण खंड अयोध्या 120 को निर्माण खंड अयोध्या 121 को निर्माण खंड अयोध्या 122 को निर्माण खंड अयोध्या 123 को निर्माण खंड अयोध्या 124 को निर्माण खंड अयोध्या 125 को निर्माण खंड अयोध्या 126 को निर्माण खंड अयोध्या 127 को निर्माण खंड अयोध्या 128 को निर्माण खंड अयोध्या 129 को निर्माण खंड अयोध्या 130 को निर्माण खंड अयोध्या 131 को निर्माण खंड अयोध्या 132 को निर्माण खंड अयोध्या 133 को निर्माण खंड अयोध्या 134 को निर्माण खंड अयोध्या 135 को निर्माण खंड अयोध्या 136 को निर्माण खंड अयोध्या 137 को निर्माण खंड अयोध्या 138 को निर्माण खंड अयोध्या 139 को निर्माण खंड अयोध्या 140 को निर्माण खंड अयोध्या 141 को निर्माण खंड अयोध्या 142 को निर्माण खंड अयोध्या 143 को निर्माण खंड अयोध्या 144 को निर्माण खंड अयोध्या 145 को निर्माण खंड अयोध्या 146 को निर्माण खंड अयोध्या 147 को निर्माण खंड अयोध्या 148 को निर्माण खंड अयोध्या 149 को निर्माण खंड अयोध्या 150 को निर्माण खंड अयोध्या 151 को निर्माण खंड अयोध्या 152 को निर्माण खंड अयोध्या 153 को निर्माण खंड अयोध्या 154 को निर्माण खंड अयोध्या 155 को निर्माण खंड अयोध्या 156 को निर्माण खंड अयोध्या 157 को निर

जुलाई में पड़ेंगे गुप्त नवरात्रि, योगिनी एकादशी और जगन्नाथ रथयात्रा जैसे व्रत और त्यौहार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ: जुलाई का महीना ब्रह्म त्योहार के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इस माह जगन्नाथ रथयात्रा, गुप्त नवरात्रि, सावन का महीना आदि कई प्रमुख तिथियों और त्योहारों की शुरूआत होती है। साथ ही इस महीने दो बड़ी एकादशी का ब्रह्म की किया जाया, जिसमें योगिनी एकादशी और देवयात्री एकादशी हैं। इसके साथ ही गुरु पूर्णिमा के बाद सावन मास के सावन सामवार के ब्रह्म शुरू हो जाएं।

इस तरह जुलाई माह में भक्तजन भगवान शिव और भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त कर पाएंगे। वहाँ जुलाई माह में आषाढ़ अमावस्या, विश्वस्त सप्तमी, कांकिला ब्रह्म आदि कई प्रमुख त्योहार पड़ने वाले हैं। ग्रह-नक्षत्र के लिहाज से भी जुलाई का महीना काफी महत्वपूर्ण होने वाला है, इस महीने कई बड़े ग्रह राशि परिवर्तन करने वाले हैं। आइए जानें इस महीने आने वाले प्रमुख त्योहारों की तिथि और उनका धार्मिक दृष्टि से क्या महत्व है।

योगिनी एकादशी 2 जुलाई, मंगलवार: आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को योगिनी एकादशी का ब्रह्म आण्वित रथयात्रा का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन सुबह पवित्र नदियों में स्नान करके पितरों का तपाच, पिंडान, आदि कर्म आदि करते हैं। वहाँ जो लोग पवित्र नदियों में स्नान नहीं करने जा परहे हैं, वे घर पर ही स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

गुरु नवरात्रि शुरू 6 जुलाई, शनिवार: आषाढ़ मास के गुरु नवरात्रि का प्रारंभ 6 जुलाई से हो रहा है और 15 जुलाई को समाप्त होगा। गुरु नवरात्रि में मां दुर्गा की 10 भवानियों की सावना की जाती है। साल में चार नवरात्रि आते हैं, जिसमें दो गुरु और दो उत्तम नवरात्रि होते हैं। चैत्र और आश्विन मास की नवरात्रि को धूमधाम से मनाया जाता है। वहाँ आषाढ़ और सावन मास की नवरात्रि को गुरुनवरात्रि के नाम से जाना जाता है। योगिनी एकादशी पर इस बार प्रिपुक्र योग और सार्वार्थ सिद्धि जैसे महायोग बन रहे हैं।



आषाढ़ अमावस्या 5 जुलाई, शुक्रवार: आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को आषाढ़ अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन सुबह पवित्र नदियों में स्नान करके पितरों का तपाच, पिंडान, आदि कर्म आदि करते हैं। वहाँ जो लोग पवित्र नदियों में स्नान नहीं करने जा परहे हैं, वे घर पर ही स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

गुरु नवरात्रि शुरू 6 जुलाई, शनिवार: आषाढ़ मास के गुरु नवरात्रि का प्रारंभ 6 जुलाई से हो रहा है और 15 जुलाई को समाप्त होगा। गुरु नवरात्रि में मां दुर्गा की 10 भवानियों की सावना की जाती है। साल में चार नवरात्रि आते हैं, जिसमें दो गुरु और दो उत्तम नवरात्रि होते हैं। चैत्र और आश्विन मास की नवरात्रि को धूमधाम से मनाया जाता है। वहाँ आषाढ़ और सावन मास की नवरात्रि को गुरुनवरात्रि के नाम से जाना जाता है। योगिनी एकादशी पर इस बार प्रिपुक्र योग और सार्वार्थ सिद्धि जैसे महायोग बन रहे हैं।

जगन्नाथ रथयात्रा शुरू 7 जुलाई, रविवार: हर साल आषाढ़ मास के शुक्रवार की द्वितीया तिथि से जगन्नाथ रथयात्रा प्रारंभ हो जाती है। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ आपने बड़े भाई बलराम और छोटी बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौरी के घर जाते हैं। हिंदू धर्म में जगन्नाथ रथयात्रा का विशेष महत्व है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए देश से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लाखों लोग शामिल होते हैं।

विश्वस्त सप्तमी 12 जुलाई, शुक्रवार: आषाढ़ मास की शुक्रवार पक्ष की सप्तमी तिथि विश्वस्त सप्तमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु चार माह के लिए योग निःर्वाण में चले जाते हैं और वैष्णव तमु की पूजा करने का विधान है। चारुमास के आरंभ होते ही शुभ व चारुमासिक कार्य बंद होते हैं और एकादशी तिथि का व्रत करने से भी लगता है। मान्यता है कि विष्णविधान के साथ पूजा और व्रत के करने से सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं और आराध्य की प्राप्ति होती है। साथ ही इस दिन मुहरम भी मनाया जाएगा।

जुलाई में 4 ग्रह करेंगे राशि परिवर्तन, पड़ेंगा कई राशियों पर प्रभाव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ: ज्योतिषीय गणना के अनुसार जुलाई महीने में 4 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इससे राशि चक्र की सभी शशियों पर भाव अनुसार प्रभाव पड़ेगा। इस महीने में सावन महीने की शुरूआत होने वाली है। अतः शिवजी की कृपा सभी राशियों के जातकों पर पड़ेगी। इसमें 4 राशि के जातकों को सावार्थिक लाभ प्राप्त होंगे। कृष्ण राशि के जातकों को शुभ फल प्राप्त होगा। आइए जुलाई महीने में होने वाले ग्रह राशि परिवर्तन के बारे में जानें। ग्रहों की द्वितीया तिथि से जगन्नाथ रथयात्रा प्रारंभ हो जाती है। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ आपने बड़े भाई बलराम और छोटी बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौरी के घर जाते हैं। हिंदू धर्म में जगन्नाथ रथयात्रा का विशेष महत्व है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए देश से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लाखों लोग शामिल होते हैं।

विशेषज्ञी एकादशी, चारुमास शुरू, मुहरम 17 जुलाई, बुधवार: आषाढ़ मास के शुक्रवार की एकादशी तिथि को योगिनी एकादशी का व्रत करना चाहिए। योगिनी एकादशी, आषाढ़ी एकादशी की नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु चार माह के लिए योग निःर्वाण में चले जाते हैं और वैष्णव तमु की पूजा करने का विधान है। चारुमास के आरंभ होते ही शुभ व चारुमासिक कार्य बंद होते हैं और एकादशी तिथि का व्रत करने से भी लगता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव की प्रति रूप में प्राप्त करने के लिए कोकिला व्रत किया था।



जुलाई को रोहिणी और 16 अगस्त को मार्गशीर्ष नक्षत्र में गोचर करेंगे। इसके बाद 26 अगस्त को मिथुन राशि में गोचर करेंगे। बुध गोचर 2024: यहाँ के राजकुमार बुध देव 19 जुलाई को सिंह राशि में गोचर करेंगे। सर्व राशि परिवर्तन 2024: वर्तमान समय में सूर्य देव मिथुन राशि में विराजमान हैं और 19 जुलाई तक कई राशि में विराजमान होंगे। बुध के राशि परिवर्तन से विशेषज्ञी राशि के जातकों को सावार्थिक लाभ होता है। आइए जुलाई को माता पार्वती की व्रत करने के लिए देश से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लाखों लोग शामिल होते हैं।

गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा 21 जुलाई, गविनवार: गुरु पूर्णिमा के अगले दिन से विश्वासी राशि में गोचर करेंगे। इसके बाद 26 अगस्त को मिथुन राशि में गोचर करेंगे। बुध गोचर 2024: यहाँ के राजकुमार बुध देव 19 जुलाई को सिंह राशि में गोचर करेंगे। बुध देव के राशि परिवर्तन से मकर के जातकों को कारोबार में लाभ मिल सकता है।

है। आसाके कारक सूर्य देव 16 जुलाई को कई राशि में गोचर करेंगे। इस दौरान 19 जुलाई को पुष्य नक्षत्र, 2 अस्त्र को अशेषा और 16 अगस्त को माता नक्षत्र में गोचर करेंगे। इसके बाद 26 अगस्त को मिथुन राशि में गोचर करेंगे। बुध गोचर 2024: यहाँ के राजकुमार बुध देव 19 जुलाई को सिंह राशि में गोचर करेंगे।

शुक्र गोचर 2024: सुखों के कारक

शुक्र देव जुलाई महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव 7 जुलाई को मिथुन राशि से निकलकर कई राशि में प्रवेश करेंगे। इस दौरान 9 जुलाई को पुष्य, 19 जुलाई को अशेषा और 30 जुलाई को माता नक्षत्र में गोचर करेंगे। बुध गोचर 2024: यहाँ के राजकुमार बुध देव 19 जुलाई को सिंह राशि में गोचर करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन से मकर के जातकों को कारोबार में लाभ मिल सकता है।

प्रथम गुरु भी मनाया जाता है। व्यासजी के शशियों ने हुए पूर्णिमा की शुरूआत की थी।

सावन सोमवार 22 जुलाई, सोमवार: आषाढ़ पूर्णिमा के अगले दिन से ही सावन की शुरूआत होती है। और इस बार सावन की शुरूआत जानी है। और इस बार सावन की शुरूआत सोमवार के दिन से ही हो रही है, जो बहुत शुरूआत सोमवार के दिन से ही हो रही है, और उपरान्त देते हैं। साथ ही इस दिन ब्रह्मवेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद के साथ साथ अद्ग्रह पुराण, महाभारत ग्रंथ, श्रीमद्भगवत् ग्रंथ आदि विश्वासी राशि के जातकों को सावार्थिक लाभ देते हैं। सावन का बसंती से इंतजार करते हैं। सावन मास में भगवान शिव रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं। इस बार सावन में पाच सावन जोकि व्यासजी का न्यू हुआ था और व्यासजी को प्रथम गुरु भी मनाया जाता है।

अप्रैल गुरु भी मनाया जाएगा।

सावन सोमवार 22 जुलाई, सोमवार:

आषाढ़ पूर्णिमा के अगले दिन से ही सावन की शुरूआत होती है। और इस बार सावन की शुरूआत सोमवार के दिन से ही हो रही है, और उपरान्त देते हैं। साथ ही इस दिन ब्रह्मवेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद के साथ साथ अद्ग्रह पुराण, महाभारत ग्रंथ, श्रीमद्भगवत् ग्रंथ आदि विश्वासी राशि के जातकों को सावार्थिक लाभ देते हैं। सावन का बसंती से इंतजार करते हैं। सावन मास में भगवान शिव रुद्र रूप में सृ

नौट्रेने निरस्त, कई के मार्ग बदले, यात्री परेशान



वरिष्ठ संवाददाता (vol)

तक चलने वाली 04241 मनकापुर-अयोध्या कैटेंट मेमू गाड़ी निरस्त रही।

मनकापुर से 01 से 04 जुलाई तक चलने वाली 04257 मनकापुर-अयोध्या धाम जं.-मेमू गाड़ी निरस्त रही। अयोध्या धाम जं. से 01 से 04 जुलाई तक चलने वाली 04258 अयोध्या धाम जं.-मनकापुर मेमू गाड़ी निरस्त रही।

प्रयागराज संगम से 01 से 03 जुलाई तक चलने वाली 14233 प्रयागराज संगम-मनकापुर एक्सप्रेस निरस्त रही।

मनकापुर से 01 से 04 जुलाई तक चलने वाली 04242 अयोध्या कैटेंट-मनकापुर मेमू गाड़ी निरस्त रही। अयोध्या कैटेंट से 01 से 04 जुलाई तक चलने वाली 04260 अयोध्या कैटेंट-मनकापुर मेमू गाड़ी निरस्त रही।

मनकापुर से 01 से 04 जुलाई तक चलने वाली 04259 मनकापुर-अयोध्या कैटेंट-मनकापुर मेमू गाड़ी निरस्त रही।

मनकापुर से 01 से 04 जुलाई तक चलने वाली 14233 प्रयागराज संगम-मनकापुर एक्सप्रेस निरस्त रही।

गोड़ा-बुढ़वल रेलखंड पर बिछुरही तीसरी रेल लाइन

● तीसरी लाइन बनने से अधिक दिनों का संचालन हो सकेगा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भारतीय रेल, आमजन की आकांक्षाओं के अनुरूप एवं नये भारत के नये विजन को ध्यान में रखते हुये इन्हास्ट्रक्चर के विस्तार एवं विकास पर तोने गति से कार्य कर रही है। इस क्रम में, यात्री जनता को सुविधा एवं परिचालनिक सुगमता हेतु पूर्वोत्तर रेलवे के गोड़ा-बुढ़वल खंड (61.72 किमी)। तीसरी रेल लाइन निर्माण के प्रथम चरण में गोड़ा कच्चरी-करनेलांज खंड (23.65 किमी)। का कार्य प्रगति पर है। 04 जुलाई, 2024 को रेल संरक्षा आयुर्क इस तीसरी रेल लाइन का निरीक्षण करेंगे तथा योग्य द्वायर किया जायेगा।

गोड़ा कच्चरी-करनेलांज के मध्य

कुल 04 बड़े एवं 24 छोटे पुल तथा 02

एवं बुढ़वल एवं तीसरी रेल लाइन बन जाने से यात्रा

पर 01 महीने पूर्व रेल लाइन सहित 10 बड़े एवं 36

छोटे पुलों का कार्य सम्पन्न होता है।



समय में उल्लेखनीय कमी आयेगी तथा लाइन क्षमता में बढ़ातरी होगी। अर्थात्, विशेषज्ञों द्वारा तथा क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ाया जायेगा। विद्युतीकण सहित इस तीसरी रेल लाइन का निर्माण होने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। गोड़ा-बुढ़वल खंड पर तीसरी रेल लाइन के निर्माण पर रु.

714.34 करोड़ का लागत आयेगी। इस

तीसरी रेल लाइन का कार्य चार चरणों में पूर्य किया जाना है।

परियोजना के द्वितीय चरण में

गोड़ा-कच्चरी-करनेलांज बायांग तथा कच्चरी-करनेलांज खंड (21.71 किमी), तृतीय

चरण में यात्रा घाट-बुढ़वल (11.77 किमी),

तथा चतुर्थ चरण में गोड़ा जं.-गोड़ा कच्चरी (4.88 किमी)। खंड का कार्य पूरा करने की योजना है।

तीसरी रेल लाइन का आयोग आयुर्क और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुरी और यू.पी.एस.सी. में चयनित भू-

वैज्ञानिक आइशा नाज मंसुर

